Total No. of Questions : 5] SEAT No. :

P2231 [Total No. of Pages : 2

[5002]Ext.-11
M.A. (Part I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र – 1 सामान्य स्तर
प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य
(अमीर खुसरो, जायसी, सूरदास, बिहारी और भूषण)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक: 100*

सूचनाएँ :–
1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

प्रश्न 1) अमीर खुसरो की भाषा पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'पद्मावत' में अभिव्यक्त प्रेम भाव को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) सूरदास के 'भ्रमरगीत' काव्य में चित्रित गोपियों के वागवैदग्ध्य का विवेचन कीजिए ।

अथवा

सतसई परंपरा में बिहारी का स्थान निर्धारित कीजिए ।

प्रश्न 3) हिंदी काव्य को समृध्द बनाने में भूषण के योगदान को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए ।

क) जायसी की काव्य कला,

ख) भ्रमर गीत की विशेषताएँ,

ग) बिहारी का शृंगारेतर काव्य,

घ) भूषण काव्य के विषय ।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए।

च) अमीर खुसरो की पहेलियों में चित्रित लोकरंजकता।

छ) 'पद्मावत' में वर्णित विरह वर्णन पर प्रकाश डालिए।

ज) भ्रमर गीत के विरह वर्णन का विवेचन कीजिए।

झ) भूषण कालीन परिस्थीयों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

अ) गोरी सुन्दर पातली, केहर काले रंग।
ग्यारह देवर छोड के चली जेठ से संग।।

अथवा

एक दिवस पून्यो तिथि आई। मानसरोदक चली नहाई।।
पद्मावति सब सखी बुलाई। जनु फूलवारि सबै चली आई।।
कोइ चंपा कोइ कुंद सहेली। कोई सुकेत, करना, रस बेली।।
कोइ सु गुलाल सुदरसन राती। कोई सो बकावरि-बकुचन भाँती।
कोइ सु मौलसिरि, पुह पावती। कोइ जाही जूही सेवती।।
कोइ सोनजरद, कोइ केसर। कोई सिंगारहार नागेसर।।
कोइ कूजा सदबर्ग चमेली। कोई कदम सुरस रस बेली।।

आ) प्रेमरहित यह जोग कौन काज गायो?
दीनन सो निठूर बचन कहे कहा पायो?
नयनन निज कमलनयन सुन्दर मुख हेरो।
मूँदन ते नयन कहत कौन ज्ञान तेरो।
तामें कहु मधुकर! हम कहाँ लैन जाहीं।
जामें प्रिय प्राणनाथ नँदनंदन नाही?
जिनके तुम सखा साधु बातें कहू तिनकी।
जीवैं सुनि स्यामकथा दासी हम जिनकी
निरगुन अबिनासी गुन आनि आनि भाखौ।
सूरदास जिय कै जिय कहाँ कान्ह राखौ?

अथवा

प्रेतिनि पिसाचऽरू निसाचर निसाचरिहू,
मिलि मिलि आपुस में गावत बधाई है।
भैंरो भूत प्रेत भूरि भूधर भयंकर से,
जुत्थ जुत्थ जोगिनी जमात जुरि आई है।।
किलकि-किलकि कै कुतूहल करति काली,
डिम-डिम डमरु दिगम्बर बजाई है।
सिवा पूछैं सिव सों समाज आजु कहाँ चलो,
काहू पै सिवा नरेश भृकुटी चढाई है।।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2232

[Total No. of Pages : 2

[5002]-Ext.-12
M.A. (Part-I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 2 : विशेष स्तर
आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य
(उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक: 100*

सूचनाएँ :-
1) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*
2) *सभी प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं।*

प्रश्न 1) 'कलि-कथा:वाया बाइपास' उपन्यास की संवेदना और शिल्प पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कलि-कथा:वाया बाइपास' उपन्यास की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न 2) प्रेमचंद युगीन कहानी विधा का परिचय देते हुए 'यही मेरा वतन'कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'मुंबई कांड' कहानी का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) कथ्य एवं शिल्प की दृष्टि से 'अभंगगाथा' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'अभंगगाथा' की नाटक के तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) पठित निबंधो के आधार पर 'निबंध माला' में संकलित निबंधो की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'बुद्धिजीवी' निबंध की व्यंग्यात्मकता को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) 'कलि-कथा:वाया बाइपास' उपन्यास का शांतनु,

ख) 'इस जंगल मे' कहानी का उद्देश्य,

ग) 'अभंगगाथा' नाटक का मंबाजी,

घ) 'उत्साह' निबंध के शीर्षक की सार्थकता ।

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5] **SEAT No. :**

P2233 **[Total No. of Pages : 2**

[5002]Ext.-13
M.A. (Part-I)
HINDI
प्रश्नपत्र – 3 : विशेष स्तर
भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्यशास्त्र
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक: 100*

सूचनाएँ :–
1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

प्रश्न 1) ध्वनि सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके संदर्भ में स्फोट सिद्धांत का विवेचन कीजिए ।

अथवा

अलंकार सिद्धांत का स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) रस निष्पत्ति संबंधी भट्टलोल्लट और शंकुक की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

वक्रोक्ति भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना कीजिए ।

अथवा

रिचर्डस् के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत की समीक्षा कीजिए ।

P.T.O

प्रश्न 4) इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धांत का परिचय दीजिए ।

अथवा

आलोचना की विभिन्न प्रणालियों का उल्लेख करते हुए मार्क्सवादी और सैद्धांतिक आलोचना का महत्व स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) रीति और शैली

ख) ध्वीन और शब्द – शक्तियाँ

ग) लोंजाइनस का योगदान

घ) यथार्थवाद

⊖⊖⊖

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2234

[Total No. of Pages : 8

[5002]Ext.-14
M.A. (Part - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
विशेष साहित्यकार अथवा विशेष विधा तथा अन्य
(2013 Pattern)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित में से किसी एक पाठयक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

अ) कबीर तथा तुलसीदास

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) कबीर काव्य के आधार पर उनकी दार्शनिकता को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कबीर की उलटबासियाँ और प्रतीक पद्धति की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 2) 'संत काव्य परंपरा में कबीर का प्रेम तत्व और विरह भावना सबसे अलग और विशेष हैं' कथन को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कबीर काव्य में व्यक्त रहस्यवाद को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) रामचरितमानस के आधार पर तुलसी के चरित्र - चित्रण की विशेषताओं को विशद कीजिए ।

अथवा

भक्तिकालीन कवियों में तुलसी का स्थान स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) विनयपत्रिका का वर्ण्य - विषय स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

विनयपत्रिका के गीति तत्व को विशद कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) जाका गुरू भी अंधला, चेला खरा निरंध ।
अंधा अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पडंत ।

अथवा

पाँणी केरा बुदबुदा, इसी हमारी जाति ।
एक दिनाँ छिप जाँहिंगे. तारे ज्यूँ परभाति ।।

ख) राम से प्रतिम की प्रीति – रहित जीव जाय जियत ।
जेहि सुख सुख मानि लेत, सुख सो समुझ कियत ।।1।।
जहँ – तहँ जोहि, जोनि जनम महि, पताल, वियत
तहँ – तहँ तू विषय – सुखहिं,चहत लहत नियत ।।2।।
कत विमोह लट्यो फट्यो गगन मगन सियत ।
तुलसी प्रभु – सुजस गाइ, क्यों न सुधा पियत ।।3।।

अथवा

जाके प्रिय न राम बैदेही
सो छाँडिये कोटि बैरि सम, जद्यपि परम सनेही ।।
तज्यो पिता प्रहलाद विभीषण बंधु, भरत महतारी ।
बलि गुरू तज्यो, कंत व्रज बनितनि, भये मुद मंगलकारी ।।
नाते नेह राम के मनियत सुद्‌ध सुसेव्य जहाँ लौं ।
अँजन कहाँ आँखि जेहि फूटै, बहुतक कहौ कहाँ लौं ।।
तुलसी सो सब भाँति परमहित पूज्य प्रानते प्यारो ।
जासो होइ सनेह राम पद, एतो मतो हमारो ।।

Total No. of Questions : 5]

P2234

[5002]Ext.-14
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर – वैकल्पिक
आ) हिंदी उपन्यास तथा हिंदी यात्रा साहित्य
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) ''गोदान'' भारतीय कृषक जीवन का महाकाव्य है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

हिंदी उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'चित्रलेखा' की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

हिंदी उपन्यास साहित्य की विविध शैलियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।

प्रश्न 3) यात्रा साहित्य की परिभाषाएँ देते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

यात्रा साहित्य के तत्वों के आधार पर 'मेरी जीवन यात्रा' की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 4) यात्रा साहित्य का अन्य गद्य विधाओं से संबंध स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

यात्रा साहित्य के तत्वों के आधार पर 'चीड़ो पर चाँदनी'' की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ – व्याख्या कीजिए ।

क) ''भइया राजा, आप उसके पिता समान हैं। आपके सामने वह दो दिन का 'छोकरा' क्या खड़ा होगा । समझ लीजिए कि सूरजू ने नहीं, बब्बन ने गलती की, उसे भूल जाइए ।''

अथवा

''मैं चाहता हूँ कि तुम एक दिन अपनी कार से आकर घर के सामने उतरो .... जिससे लोग यह तो देखें कि हम लोगों की सन्तान भी कारों और मोटरों में बैठकर चलने के लिए पैदा होती है।''

ख) ''विश्व के सूर्यवंशी राजाओं ने सूर्य के नाम पर अपने उपनिवेस स्थापित किये थे । सूर्य–पूजा विश्व के अनेक भागों में उत्तरोत्तर बढ़ती रही।''

अथवा

'' किंतू रोम । रोम और इटली और वहाँ के लोग अंतर्विरोध सर्वत्र होते हैं और पुराने देश, पुरानी सभ्यता में कदाचित अधिक होते हैं ''?

Total No. of Questions : 5]

P2234

[5002]Ext.-14

M.A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 4 : विशेष स्तर – वैकल्पिक

इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा तथा कवि रामधारी सिंह दिनकर

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भारतीय एवं पाश्चात्य नाटक के तत्वों का परिचय दीजिए ।

अथवा

नाटककार सुरेंद्र वर्मा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) 'रतिका कंगना' नाटक की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नाटक के तत्वों के आधार पर 'आठवा सर्ग' नाटक की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न 3) आधुनिक काव्यधारा में कवि दिनकर का स्थान निर्धारित कीजिए ।

अथवा

दिनकर की काव्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) ''दिनकर का 'कुरूक्षेत्र' युध्द और शांति का संदेश देता है ।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'बापू' काव्य की दार्शनिकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) ''कभी–कभी शासन की सुरक्षा के लिए भी धर्मपालन आवश्यक हो जाता है । इस प्रक्रिया से राजा भी अछूता नहीं है, क्योंकि राजनीति की भाषा को न समझकर जनता धार्मिक अंधविश्वासों पर अधिक बल देती है।''

अथवा

''क्या प्रभावती यह चाहेगी कि एक नवोदित कवि ....कारागार की अंधेरी कोठरी में ऐड़ियां रगड – रगडकर मरे ? केवल इसीलिए कि प्रेम अंधा था ।''

ख) ''वसुधा अपने वक्षस्थल पर

जिसको चलते – चलते निहार

आनन्द–मग्न हो जाती थी,

कहती थी हो सुख में विभोर

''यह अहोभाग्य !

मेरे वक्षस्थल पर संदेह हैं घूम रहे भगवान स्वयं ''

अथवा

''सत्य मान कर भी कब समझा भिन्न तुम्हें सपने से?

नारी कह कर भी कब मैंने कहा, मानुषी हो तुम?''

Total No. of Questions : 5]

P2234

[5002]Ext.-14

M.A. (Part - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र - 4 : वैकल्पिक

इ) प्रयोजनमूलक हिंदी तथा दलित साहित्य

(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप लिखकर उसके प्रमुख प्रकार समझाइए।

अथवा

अनुवाद की परिभाषाएँ स्पष्ट कर अनुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) कम्प्यूटर का परिचय देते हुए उसके विविध क्षेत्रों में योगदान को विशद कीजिए।

अथवा

समाचार पत्र लेखन के प्रकारों का विस्तृत विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) रेडियो तथा सिनेमा लेखन के विविध प्रकार सोदाहरण लिखिए ।

अथवा

''सामंतवादी भोगपरक व्यवस्था के विरूद्‌ध एकजुट होकर अस्मिता की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक है'' इस विधान को पठित उपन्यास 'जस तस भई सवेर'' के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) ''गूंगा नहीं था मैं'' में लोगों की यातना, संघर्ष और जिजीविषा की सार्थक अभिव्यक्ति हुई है'' विशद कीजिए ।

अथवा

'जूठन' आत्मकथा की तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

अ) ''हमें तो सर्वाधिक दु:ख इस बात का है कि इनके कारण देश के होनहार एवं योग्य नवयुवक आत्मदाह कर रहे हैं । अत:हम तो यह चाहते हैं कि इन संस्तुतियों के क्रियान्वयन से पूर्व राष्ट्रीय बहस होनी चाहिए थी ।''

अथवा

''बहू के पैर अच्छे नहीं हैं । इसके आते ही घर में मुसीबतें आ पड़ी हैं । यह असैनी है, कम्बख्त है । घर का काम-धन्धा ही चौपट हो गया ।''

ख) '' भाभी जी, आपके हाथ का खाना तो बहुत जायकेदार है ।
हमारे घर में तो कोई भी ऐसा खाना नहीं बना सकता हैं ।''

अथवा

''तेरे समर्पण और त्याग का ईनाम
तुझे छुरे से रेतकर
किरासीन से जलाकर या
तंदूर में दूनकर दिया जाएगा ।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2235

[Total No. of Pages : 2

[5002]-Ext.-15
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रशनपत्र - 5 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य
(महाकाव्य, खंडकाव्य, विशेष कवि और नई कविता)

पाठ्यपुस्तकें : 1) कामायनी – जयशंकर प्रसाद
2) गोपा गौतम –जगदीश गुप्त
3) विशेष कवि कुँवर नारायण – संपा. डॉ.सुरेश बाबर, डॉ .नीला बोर्वणकर
4) नई कविता – संपा.डॉ.सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक :100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'कामायनी एक रूपक काव्य है'– स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

कामायनी के महाकाव्यत्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) गोपा गौतम की गोपा का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा

गोपा गौतम के शिल्प – पक्ष का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) 'कुँवर नारायण नई कविता के सशक्त हस्ताक्षर हैं' – पठित कविताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कुँवर नारायण की कविताओं में व्यक्त आधुनिक बोध को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) लीलाधर जगूडी की कविताओं में व्यक्त भाव–संवेदनाओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'दामोदर मोरे की कविताओं में भोगे हुए दु:खों,पीड़ाओं, यातनाओं और कटुताओं का जिक्र हुआ है' – पठित कविताओं के आधार पर सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

क) दु:ख की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात, एक परदा यह झीना नील छिपाए है जिसमें सुख गात । जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल - ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल ।

अथवा

परिणय का एक दशक
कैसे बीता मैं ही जानती हूँ,
आप तो सदा ही, बस अपने में खोए रहे
आपकी विरक्तिमयी
अद्‌भुत अनुरक्ति ने
ऐसे मुझे बाँधा
मैं बंध्या कहलाने लगी
घर - बाहर सभी कहीं
लांछित की जाने लगी ।

ख) साबुन के बुलबुलों - से
हवा में उड़ते सफेद छोटे - छोटे फूल
दो एक माँ के बालों में उलझे रह जाते
जब वो तुलसी पर जल चढ़ाकर
आँगन से लौटतीं ।

अथवा

यह किसी अन्याय का विरोध है
या वसंतोत्सव
जाजिम बिछी है, मंच बना है, द्‌वार पर संतरी है
सफेद देवता बैठे गमगीन हैं या मुस्कुराते हैं
क्या ये कभी किसी तरह का कोई खतरा उठाते हैं ।

❍❍❍

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2236

[Total No. of Pages : 2

[5002]-Ext.-16
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 6 : विशेष स्तर
भाषाविज्ञान तथा हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषाविज्ञान की शाखाओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

स्थान के आधार पर व्यंजन - वर्गीकरण को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) शब्द और अर्थ का संबंध स्पष्ट करते हुए अर्थबोध के साधनों को उद्‌घाटित कीजिए ।

अथवा

वाक्य की परिभाषा और स्वरूप स्पष्ट करते हुए वाक्य संबंधी महत्वपूर्ण सिद्‌धांतो को विशद कीजिए ।

प्रश्न 3) वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय दीजिए ।

अथवा

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय प्रस्तुत कीजिए ।

प्रश्न 4) हिंदी प्रसार के आंदोलन में योगदान देनेवाली प्रमुख संस्थाओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपियों का परिचय दीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) वाक्य का स्वरूप

ख) अर्थविस्तार

ग) हिंदी शब्द निर्माण और समास

घ) ग्रियर्सन का अंतिम वर्गीकरण

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2237

[Total No. of Pages : 2

[5002]-Ext.-17
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रशनपत्र - 7 (बहिस्थ) : विशेष स्तर
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतीकाल तथा आधुनिक काल तक)
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) आदिकाल के नामकरण के विविध आधार तथा विविध नाम पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

कवि विद्‌यापति के साहित्य का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 2) भक्ति आंदोलन के उदय के विविध कारणों को विशद कीजिए ।

अथवा

राम भक्ति शाखा के काव्य की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 3) रीतिकालीन साहित्य पर भक्तिकालीन हिंदी साहित्य का प्रभाव स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है । सोदाहरण समझाइए ।

अथवा

रीतिकालीन की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक,साहित्यिक परिस्थितियों का परिचय दीजिए ।

प्रश्न 4) हिंदी गद्‌य के आविर्भाव के लिए प्रेरक परिस्थितियों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

भारतेंदुयुगीन गद्‌य साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) कबीर

ख) रीतिबद्ध कवि

ग) जैन साहित्य

घ) हिंदी निबंध का इतिहास

❍❍❍

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P2238

[Total No. of Pages : 6

[5002] Ext.-18
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 8 विशेष स्तर (वैकल्पिक)
अ) आधुनिक हिंदी आलोचना तथा अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) आलोचना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

आलोचना और अनुसंधान के साम्य - वैषम्य पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 2) हिंदी आलोचना और सर्जनशील साहित्य के पारस्परिक संबंध विशद कीजिए ।

अथवा

''हिंदी आलोचना में डॉ. नगेंद्र ने अहम् भूमिका निभाई है ।''- समझाइए ।

प्रश्न 3) अनुसंधान की परिभाषा देकर उसका स्वरूप विशद कीजिए ।

अथवा

अनुसंधान के मूलतत्वों पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 4) शोध - प्रबंध लेखन प्रणाली में शोध - प्रबंध शीर्षक, निर्धारण रूपरेखा, अध्याय - विभाजन आवश्यक होते हैं । - विवेचन कीजिए ।

अथवा

पाठालोचन किस प्रकार किया जाता है - विशद कीजिए ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आलोचना की प्रक्रिया

ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल का योगदान

ग) अंतर्विद्याशाखीय अनुसंधान

घ) बिडंबना

Total No. of Questions : 5]

P2238

[5002] Ext.-18
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 8 : विशेष स्तर (वैकल्पिक)
आ) अनुवाद विज्ञान तथा जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :- 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुवाद का महत्व स्पष्ट करते हुए विवेचन कीजिए कि अनुवाद कला है या विज्ञान ?

अथवा

प्रक्रिया के आधार पर अनुवाद के प्रकार स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 2) अनुवाद का भाषा विज्ञान के अंगों से सहसंबंध स्पष्ट कीजिए.

अथवा

वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद की आवश्यकता एवं समस्याओं को उद्घाटित कीजिए ।

प्रश्न 3) जनसंचार माध्यमों के स्वरूप, कार्य और उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

वैश्वीकरण की प्रक्रिया में जनसंचार माध्यमों का योगदान लिखिए ।

प्रश्न 4) हिंदी पत्रकारिता के उद्भव और विकास को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

पत्रकारिता के मूल तत्वों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) किन्हीं <u>दो</u> पर टिप्पणियाँ लिखिए :

क) बैंक क्षेत्र की सामग्री का अनुवाद

ख) पद्यानुवाद

ग) संपादकीय

घ) जनसंचार माध्यमों में साहित्य

OOO

Total No. of Questions : 5]

P2238

[5002] Ext.-18
M.A. (Part - II)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र - 8 : विशेष स्तर (वैकल्पिक)
इ) लोकसाहित्य तथा भारतीय साहित्य
(2013 Pattern)

भारतीय साहित्य: पाठ्यपुस्तकें :- 1) बारोमास – सदानंद देशमुख
अनु. – डॉ. दामोदर खडसे
2) नागमंडल – गिरीश कर्नाड
अनु.– बी. आर. नारायण
3) खानाबदोश – अजित कौर
अनु. – के.ए. जमुना

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 100*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'लोक' की परिभाषा देते हुए लोकसाहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

लोकसाहित्य के संकलन में आनेवाली कठिनाइयों का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 2) लोकसाहित्य का समाजविज्ञान तथा मनोविज्ञान के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

लोकनाट्य की परिभाषा देते हुए रामलीला और दशावतार का विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 3) भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याओं का विवेचन कीजिए ।

अथवा

'नागमंडल' की मिथकीय संकल्पना को स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न 4) भारतीयता और समाजशास्त्र का संबंध स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'बारोमास में ग्रामीण भारत का वास्तव चित्रित हुआ है' विवेचन कीजिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) लोकगीत की विशेषताएँ

ख) मुहावरे कहावतें

ग) हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्य

घ) 'खानाबदोश' में व्यक्त नारी – समस्या ।

❍❍❍